झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

सॉफ्टवेयर के माध्यम से कुपोषण उपचार केन्द्रों में डाटाइन्ट्री

शिमला में आयोजित नेशनल समिट ऑन बेस्ट प्रैक्टीसेज एण्ड इनोवेशन इन पब्लिक हेल्थ केयर सिस्टम में राज्य के सभी कुपोषण उपचार केन्द्रो में शुरू किये गऐ नये सॉफ्टवेयर डाटा इन्ट्री का चयन इनोवेशन के रूप में किया गया व अन्य राज्यों को इसकी जानकारी भी दिया गया । कुपोषित बच्चो को समय से बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा 86 कुपोषण उपचार केन्द्र चलाया जा रहा है। इन सभी केन्द्रो में एक सॉफ्टवेयर लगाया गया है, ताकि बच्चो का ऑनलाईन डाटाइन्ट्री हो सके। झारखंड देश में पहला राज्य है जहॉ कुपोषण उपचार केन्द्रों में भरती बच्चों का ऑन लाईन डाटा इन्ट्री किया जाता है। इस सॉफ्टवेयर का उपयोग कर राज्य में चल रहे सभी 86 कुपोषण उपचार केन्द्रों में डाटा इन्ट्री किया जा रहा है। इसमें बच्चों को दिये जा रहे उपचार तथा पोषाहार का सभी डाटा प्रतिदिन इन्ट्री तथा अपडेट किया जाता है जिसमें बच्चों के प्रति दिन का वजन, कितने दिनो तक उनका उपचार किया गया, भरती बच्चे कितने दिनो में स्वस्थ हुऐ आदि की जानकारी ऑनलाईन देखी जा सकती है।

कुपोषण उपचार केन्द्रो में आवंटित बेड के तुलना में कितने बच्चे वहा भरती है, बच्चो का क्योर प्रतिशत क्या है आदि के संबध में सभी जानकारी ऑनलाईन उपलब्ध रहती है, जिससे कुपोषण उपचार केन्द्रों के सफलता तथा उपलब्धीयों का आकलण करने में असानी होती है और आवश्यकता अनुसार उनके सेवाओं में सुधार भी किया जा सकता है।

कुपोषण उपचार केन्द्र से बच्चो के डिसचार्ज के उपरान्त फॉलोअप करने हेतु स्वतः सहिया आंगनबाड़ी सेविका को समय से एस0 एम0 एस0 चला जाता है, साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रो पर परामर्श हेतु संदेश (एस0 एम0 एस0) भेजा जाता है।

सॉफ्टवेयर के माध्यम से राज्य तथा जिला स्तरीये पदाधिकारियों को कुपोषण उपचार केन्द्रों से संबंधित सभी प्रकार का रिर्पोट भेजा जाता है। जिससे बेड की स्थिति, क्योर रेट, औसत वजन धारिता आदि का एस0 एम0 एस0 सबंधित पदाधिकारीयों को मिलता रहता है। इसका उपयोग अनुश्रवण तथा समिक्षा हेतु किया जाता है।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग